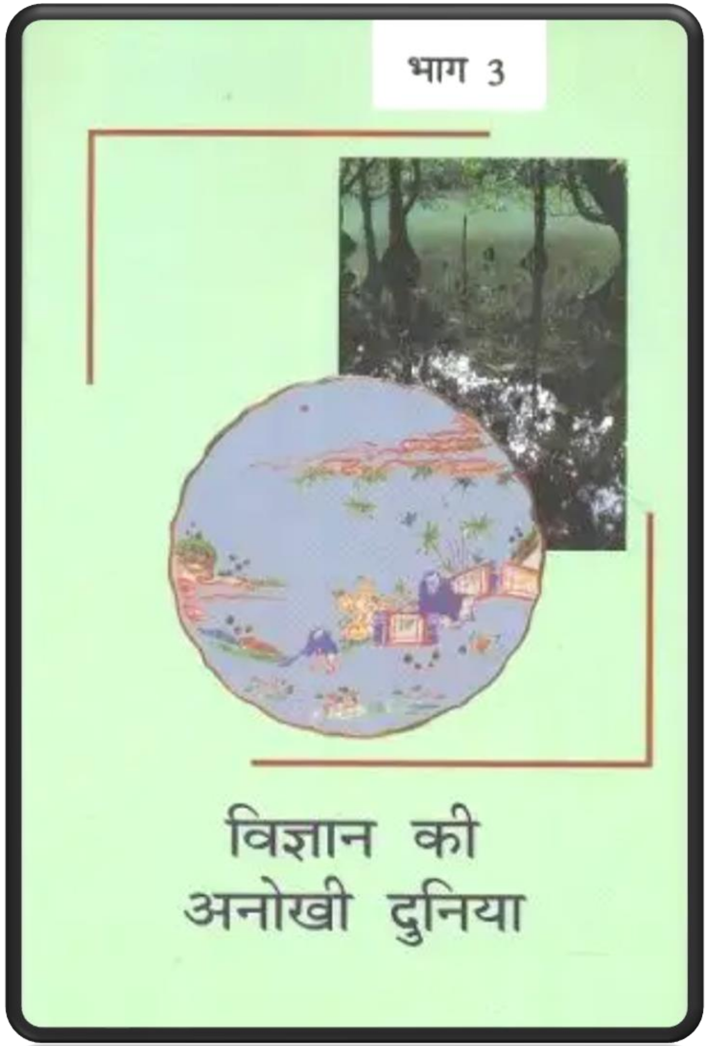

HB3034 – विज्ञान की अनोखी दुनिया

लेखक – मुनिश सक्सेना

बच्चे के मन में होश सँभालते ही अपने आसपास की दुनिया, अपने परिवेश, प्रकृति, हवा, सूरज, पानी और आग को लेकर अनेक सवाल उठने लगते हैं। 'विज्ञान की अनोखी दुनिया' शृंखला की पुस्तकें बाल और किशोर मन की इन्हीं जिज्ञासाओं को ध्यान में रखकर वैज्ञानिक आधार पर रची गई हैं।

यह शृंखला की तीसरी पुस्तक हैं, जो हमें पेड़-पौधों के भोजन तैयार करने की विधि, पौधों के पैदा होने के प्राकृतिक और कृत्रिम तरीक़ों, वनस्पतियों के उपयोग आदि के बारे में जानकारी देती है। इसके अलावा इस पुस्तक के पाठक यह भी जान पाएँगे कि बहता हुआ पानी धरती की शक्ल कैसे बदलता है, हवा के झोंके पृथ्वी को कैसे बदलते हैं, चट्टानें कैसे बनती हैं, गुफावासी मनुष्य को आग का पता कैसे चला, थर्मामीटर कैसे काम करता है तथा मशीनें आदमी के लिए किस प्रकार सहायक होती हैं।

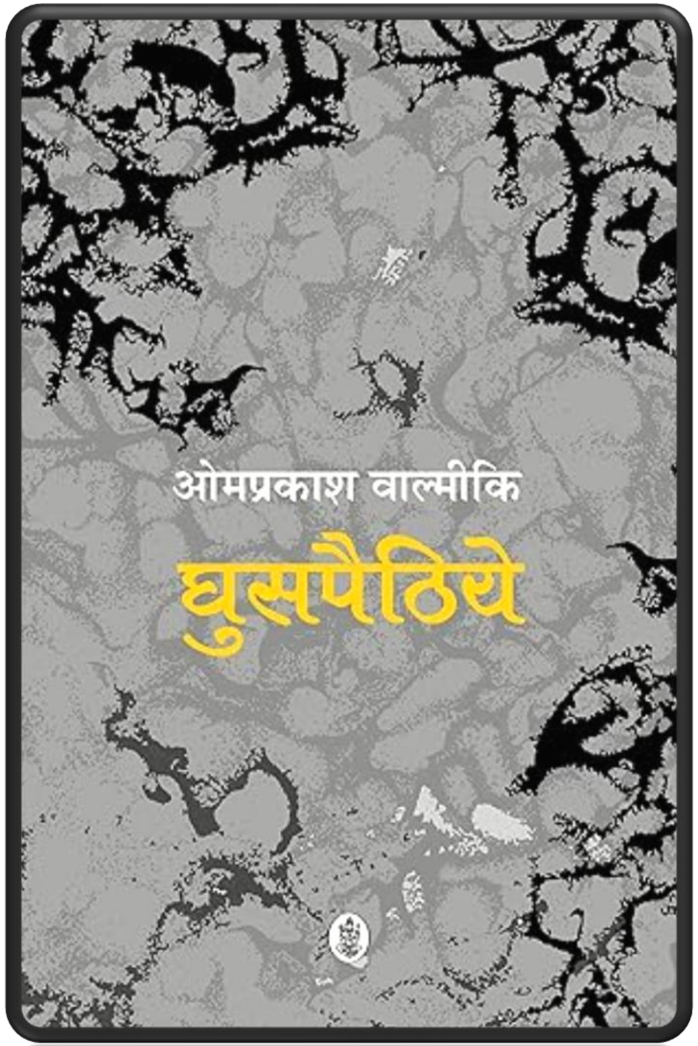

HB3025 – घुसपैठिये

लेखक – ओमप्रकाश वाल्मीकि

ओमप्रकाश वाल्मीकि का जन्म 30 जून, 1950 में उत्तर प्रदेश हुआ था। ओमप्रकाश वाल्मीकि वर्तमान दलित साहित्य के प्रतिनिधि रचनाकारों में से एक हैं। हिंदी में दलित साहित्य के विकास में ओमप्रकाश की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

ओमप्रकाश वाल्मीकि के इस संग्रह की तमाम कहानियाँ दलित सन्दर्भों से जुड़ी हुई हैं। यह दलित जीवन का यथार्थ है जिसे कहानीकार ने इन कहानियों में निहायत ही संजीदगी से, यथार्थ के प्रति वस्तुनिष्ठ रहते हुए, कहानी के रचना-विधान की संगति में दृष्टिकोण के समूचे खुलेपन के साथ चित्रित किया है। ये बेधक और मार्मिक कहानियाँ हैं। व्यवस्था के प्रति गहरा आक्रोश, कथा-विन्यास के अनुरूप तर्क और विचार, अनुभवजन्य ये कहानियाँ दलितों के सुख-दुःख, उनकी मुखरता और संघर्ष की कहानियाँ हैं।

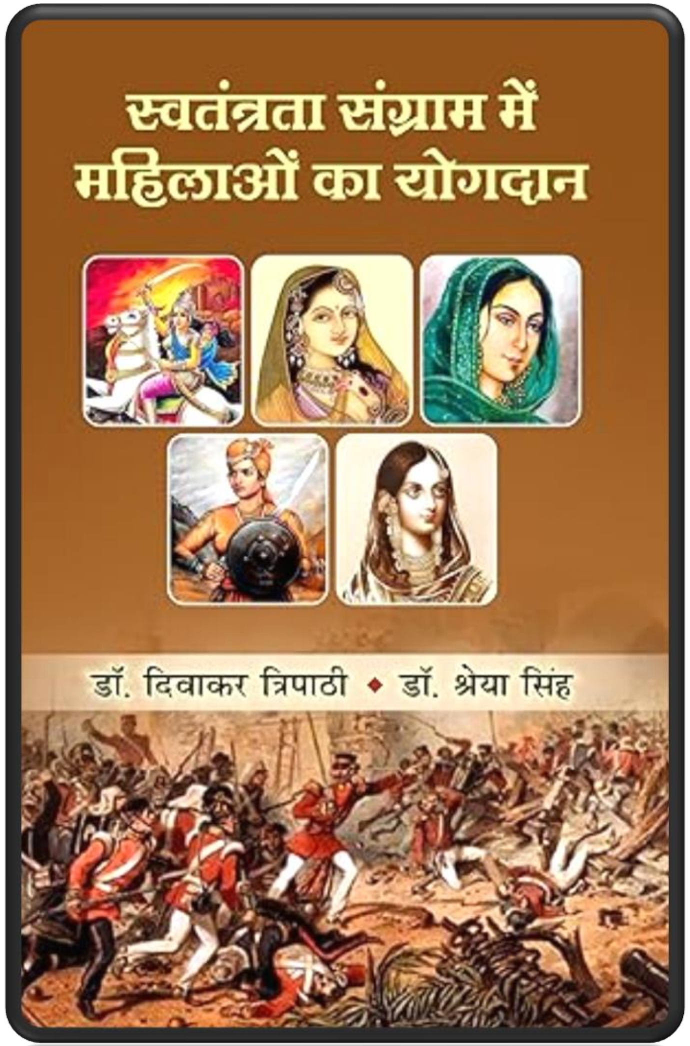

HB3036 – स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओ को योगदान

लेखक – डॉ. दिवाकर त्रिपाठी और डॉ. श्रेया सिंह

स्वतंत्र भारत के लिए जहां पुरुषों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए वहीं महिलाएं भी पीछे नहीं रही। वे अपनी भारत माँ को आजाद कराने के लिए बढ़-चढ़ कर इस स्वतन्त्रता की बलिवेदी में कूद पड़ी।

महान स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत 10 मई 1857 को मेरठ से हुई। झांसी को ब्रिटिश राज्य में मिलाए जाने की घोषणा से रानी लक्ष्मीबाई का खून खौल उठा और उसने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए। जगह-जगह पर आन्दोलनों में महिलाएं भाग लेने लगी थी। इस किताब में उन्ही बहदूर महिला के बारे में बात की गया है। जिसमे बेगम हजरत महल, रानी अवन्तीबाई, बेगम जीनतमहल और अजीजन बाई का नाम उल्लेखनीय है।

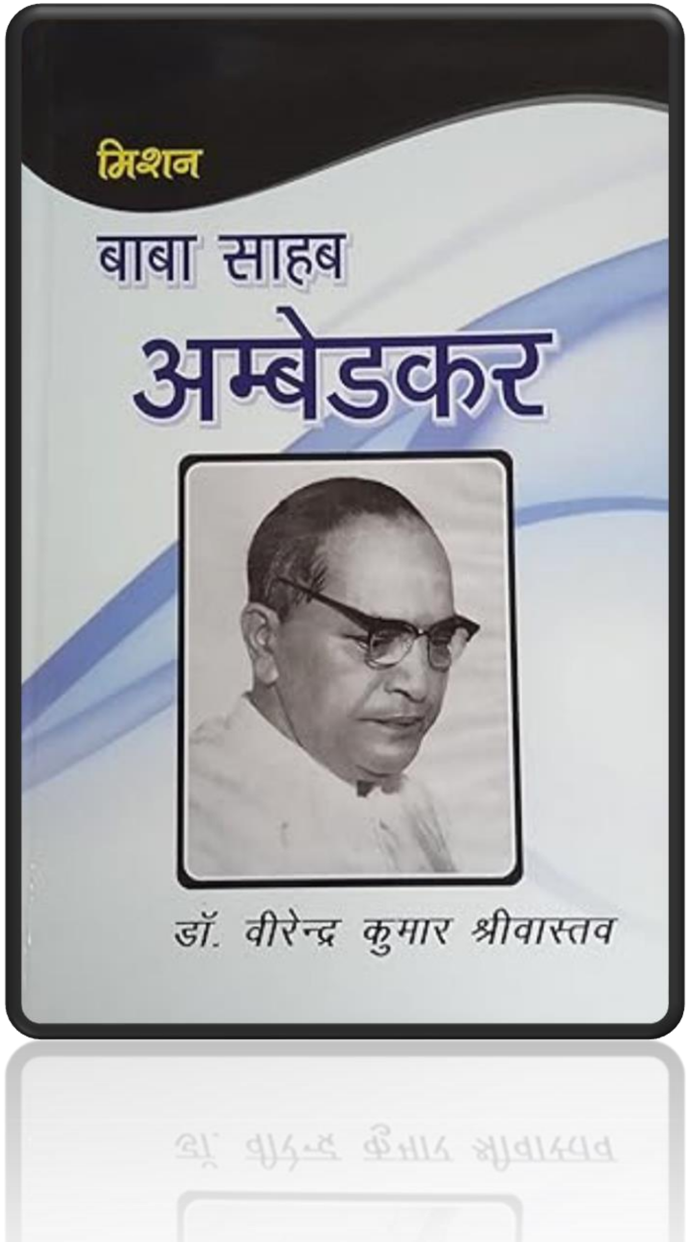

HB3031 – मिशन बाबा साहब अम्बेडकर

लेखक – डॉ. वीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

बाबासाहेब डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर एक प्रखर व्यक्तित्व, ज्ञान के प्रतीक और भारत के सुपुत्र थे। वह एक सार्वजनिक बौद्धिक, सामाजिक क्रांतिकारी और एक विशाल क्षमता संपन्न विचारक थे। उनके लेखन में वंचित वर्ग के लोगों के लिए प्रकट न्याय और मुक्ति की गहरी भावना है।

उन्होंने न केवल समाज के वंचित वर्गों की स्थितियों को सुधारने के लिए अपना जीवन समर्पित किया, बल्कि समन्वय और 'सामाजिक समरसता पर उनके विचार राष्ट्रीय प्रयास को प्रेरित करते रहे। उम्मीद है कि ये खंड उनके विचारों को समकालीन प्रासंगिकता प्रदान कर सकते हैं और वर्तमान समय के संदर्भ में डॉ. अम्बेडकर के पुनःपाठ की संभावनाओं को उपस्थित कर सकते हैं।

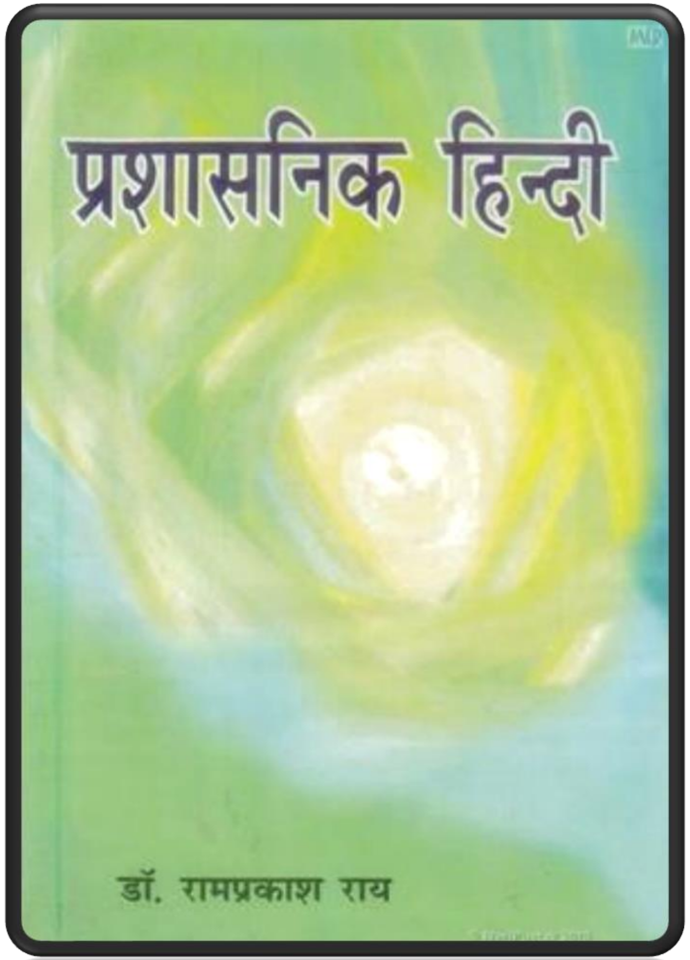

HB3041 – प्रशासनिक हिन्दी

लेखक – डॉ. रामप्रकाश राय

सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग जरूरी है। 14 सितंबर 1949 को भारत की संविधान सभा ने हिन्दी भाषा को भारत संघ की राजभाषा के रूप में मान्यता दी। तब से लेकर सरकारी कार्यालयों में हिन्दी के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। हिन्दी न सिर्फ हमारी मातृभाषा है बल्कि यह भारत की राजभाषा भी है। इसलिए इसका सम्मान करते हुए अपने कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को आवश्यक तौर पर अपनाया जाना चाहिए।

प्रस्तुत पुस्तक मे हिन्दी भाषा के व्याकरण तथा उसे दैनिक प्रशासनिक कार्यों में कैसे बेहतर तरीके से उपयोग कर सकते है, उस बारे मे विस्तार से चर्चा की गए है ।